हिमाचल प्रदेश वन पारितंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना
जापान सरकार (JICA) द्वारा वित् पोषित परियोजना

व्यवसाय योजना

आय उत्पन्न करने वाली गतिविधि- खाद्य प्रसंस्करण (बड़ी बनाना)

माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह -
द्वारा निर्मित

एसएचजी / सीआईजी नाम	::	माँ दुर्गा
वीएफडीएस नाम	::	बाहनु
वन परिक्षेत्र	::	बल्द्वाडा
वन मंडल	::	सुकेत

विषयसूची

क्रम संख्या	विवरण	पेज/एस
1	**परिचय**	3-4
2	स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
3	गांव का भौगोलिक विवरण	7-8
4	उत्पादन योजना का विवरण	9-10
5	स्वोट विश्लेषण	10-11
6	आर्थिक विवरण	11-12
7	फंड की आवश्यकता	13
8	ब्रेक-ईवन प्वाइंट की गणना	14
9	व्यवसाय योजना आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन	15
10	कार्यकारी सारांश	15
1 1	उत्पादन योजना का विवरण	15-16
12	स्वोट विश्लेषण	17
13	अर्थशास्त्र का विवरण	18-20
14	वित् के स्रोत	21
15	परियोजना की कुल लागत	22
16	अनुलग्न	23-24

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं । यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

बाहनु वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " माँ दुर्गा " स्वयं सहायता समुह, बड़ी एवं आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने बड़ी एवं आचार बनाना करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल सुकेत, किरण माला फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर बलद्वारा परिक्षेत्र, धनसागर, वन रक्षक, बाहनु बीट और श्री कुलदीप चन्द, वनखंड अधिकारी, वन खंड बलद्वाडा शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि प्र व से के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

बाहनु वन ग्रामीण विकास समिति:-

बाहणु गांव मंडी जिले के गोपालपुर खंड के कलथर पंचायत के बाहणु वार्ड के अंतर्गत आता है. और 31°34'17"N अक्षांश- 76°46'43"E देशांतर के बीच स्थित है। बाहणु ग्रामीण वन विकास समिति बलद्वाडा वन खण्ड के अंतर्गत आता है।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

यह गांव प्राचीन पीपल के पेड़ के लिए प्रसिद्ध है। तथा धान की फसल के लिए जाना जाता है ।

परिवारों की संख्या	89
बीपीएल परिवार	18 =20.23%
कुल जनसंख्या	335
कुल मवेशी	43

स्वयं सहायता समुह का विवरण

माँ दुर्गा स्वयं सहायता समुह का गठन अप्रैल 2021 में बाहणु वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

माँ दुर्गा स्वयं सहायता समुह महिला समूह (दस महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने बड़ी एवं आचार बनाना गतिविधि करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	नीटू देवी	मेम्बर	Gen	46	BA	787625 -5037
2.	सपना शर्मा	सचिव	Gen.	34.	Bsc. Bed	7018053156
3.	सुमन कुमारी	प्रधान	Gen	45	+2	7876664 -030
4.	उर्मिला देवी	मेम्बर	Gen	70	8th	70180531 -56
5.	निशा कुमारी	मेम्बर	Gen	48	M.A	78073 -35990
6.	मंजू कुमारी	"	"	46	+2	9015136978
7.	अनिता शर्मा	"	"	40	M.A	8627980 -750
8.	मीरा देवी	"	"	56	8th	9015136 -978
9.	कमला देवी	"	"	73	6th	90151 -36978
10.	तनु शर्मा	"	"	34	M.A	70182 35359
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

एसएचजी माँ दुर्गा के 9 सदस्यों ने बड़ी बनाने का विकल्प चुना है और इसके साथ सभी सदस्य आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन गतिविधि में भी शामिल हैं।

सुमन कुमारी (प्रधान)

सपना शर्मा (सचिव)

कमला देवी (सदस्य)

अनीता शर्मा(सदस्य)

मीरा देवी (सदस्य)

उर्मिला देवी(सदस्य)

नीतू देवी (सदस्य)

निशा देवी (सदस्य)

तनु शर्मा (सदस्य)

मंजू कुमारी(सदस्य)

एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	माँ दुर्गा
2	वीएफडीएस	::	बाहनु
3	वन परिक्षेत्र	::	बल्द्वाडा
4	वन मंडल	::	सुकेत
5	गांव	::	बाहनु
6	विकास खंड	::	गोपालपुर
7	जिला	::	मंडी
8	सदस्यों की कुल संख्या (एसएचजी)	::	10-महिलाएं
9	गठन की तारीख	::	अप्रैल 2021
10	बैंक खाता संख्या	::	30210115099
11	बैंक विवरण	::	HP State Co-operative Bank Baldwara
12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100 /- प्रति सदस्य
13	कुल बचत		20010 /- (नवम्बर 2022 तक)
14	कुल आपसी-ऋण विवरण		-
15	नकद ऋण सीमा		-
16	चुकौती स्थिति		-

गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	45 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	::	5 किमी

3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	बल्द्वाडा - 5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	सुंदरनगर- 37 किमी, मंडी- 45 किमी
5	मुख्य शहरों का नाम और दूरी	::	
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	सुंदरनगर, मण्डी , बल्द्वाडा

कार्यकारी सारांश

आय सृजन गतिविधि का चयन माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। इस आय सृजन गतिविधि को स्वयं सहायता समुह की 9 महिलाएं द्वारा किया जाएगा । प्रारंभ में मूंग, माह, मसर, अरबी के अरबी के डंठल आदि की बड़ी इस समूह द्वारा बनाई जाएगी। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी। बड़ी बनाने की प्रक्रिया में लगभग 3 दिन लगते हैं। 1 किलो बड़ी लगभग 1.25 - 1.50 किलोग्राम दाल और लगभग 150-200 ग्राम मसाला (काली मिर्च, बड़ी इलायची, अजवाइन, जीरा आदि) से निर्मित की जाती है । उत्पादन में सफाई, धुलाई, भिगोने, पीसने, मिश्रण करने, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह बड़ी का निर्माण करेगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो समान प्रक्रिया द्वारा किये जाते हैं । उत्पाद प्रारंभ में समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा। 1 किलो बड़ी का मूल्य लगभग 250-260 प्रति किलोग्राम होगा।

आय उत्पन्न करने वाली गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	बड़िया (मूंग दाल, माह, मसर दाल, अरबी के डंठल आदि)
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी महिलाओं द्वारा की जा रही है। इसको करने का निर्णय समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां (अनुलग्नक-1)

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह मूंग, माह, मसर दाल और अरबी के डंठल (अरबी अरबी के डंठल) की बड़ी बनाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी।
- बड़ी बनाने की प्रक्रिया में लगभग 3 दिन लगते हैं।

- धारणा/अनुभव के आधार पर 1.25-1.50 किलोग्राम दाल और 150-200 ग्राम मसाला (काली मिर्च, बड़ी इलायची, अजवाइन, जीरा आदि) से -1 किलोग्राम बड़ी का निर्माण किया जाएगा।
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, भिगोने, पीसने, मिलाने, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह प्रति माह 250 किलोग्राम बड़ी का निर्माण करेगा और भविष्य में, समूह मांग के अनुसार उतपादन करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जो समान उत्पादन प्रक्रिया का पालन करते हैं।

उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	3 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (संख्या)	::	8 महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/ मुख्य बाजार
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	30 किलो दाल और 4.5 - 5 किलो मसाला
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किलो)	::	25 किलो

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रम संख्या	कच्चे माल	इकाई	समय	मात्रा	प्रतिकिलो (रु)	कुल राशि(रु)	अनुमानित उत्पादन मासिक (किलो)
1	दाल	किलो	मासिक	300	120	36,000	250
2	मसाला	किलो	मासिक	50	200	10,000	

विपणन / बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	सुंदरनगर- 37, मंडी- 45 किमी, बल्द्वाडा - 5 किमी
2	इकाई से दूरी	::	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	::	दैनिक मांग और उत्सव और शादी के अवसरों पर उच्च मांग।
4	बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।

5	मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और उत्पादन स्थल से बेचेंगे। खुदरा विक्रेता, थोक व्यापारी तथा jica परियोजना के माद्यम से । प्रारंभ में उत्पाद को 1 किलोग्राम पैकेट में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद की ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस गतिविधि को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"		"एसएचजी का एक उत्पाद"

स्वोट विश्लेषण

- **ताकत-**
  - कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा गतिविधि पहले से ही की जा रही है
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
  - निर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन के लिए आसान
  - उत्पाद की टिकाऊ क्षमता लम्बी है
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है
- **कमजोरी-**
  - निर्माण प्रक्रिया / उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - अत्याधिक श्रमसाध्य कार्य।
  - सर्दी और बरसात के मौसम में उत्पाद निर्माण चक्र में वृद्धि ।
- **अवसर -**
  - उत्सव और शादी के अवसर में उच्च मांग
  - दैनिक / साप्ताहिक खपत और सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा उपभोग
  - JICA परियोजना का सहयोग
- **खतरे / जोखिम** -
  - सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
  - कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि
  - प्रतिस्पर्धी बाजार
  - LOCKDOWN जैसी स्तिथियाँ

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)

- कुछ समूह के सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

आर्थिक विवरण

ऐ	पूंजी लागत			
क्रम संख्या	**विवरण**	**मात्रा**	**इकाई**	**कुल राशि (रु.)**
1	ग्राइंडर मशीन (1-2 एचपी) स्थापना सहित	2	15000	30,000
2	वाटर टब (40-50 लीटर)	4	500	2000
3	भंडारण के लिए ड्रम (प्लास्टिक, 80-100 लीटर) - पानी, दाल कच्चा माल आदि के लिए	4	1000	4000
4	प्लास्टिक शीट (40 * 60 इंच)	3- 4	LS	1000
5	प्लास्टिक मग	5	LS	500
6	रसोई के उपकरण		LS	3000
7	पानी की छलनी		LS	1500
8	तैयार उत्पाद भंडारण, अलमारी / रैक	3-4	LS	5000
9	डिजिटल भारतोलन स्केल/स्केल मशीन	2	1000	2000
10	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर प्लास्टिक पाउच पैकेजिंग मशीनें	1	2000	2000
11	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि	8	एलएस	1000
12	कुर्सियां, टेबल		एलएस	5000
13	सूखाने वाली मशीन	1	6000	6000
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**63,000**

बी	आवर्ती लागत				
क्रम संख्या	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**मूल्य**	**कुल राशि (रु)**
1	कच्चा माल (दाल)	किग्रा/माह	300	120	36,000
2	कच्चा माल (मसाला)	किग्रा/माह	45	200	9,000
3	किराया कमरे का	माह	1	200	200
4	श्रम (एसएचजी सदस्यों द्वारा किया जाएगा)	5 घंटा	150	50	7500
5	पैकेजिंग सामग्री	माह	1	300	300
6	परिवहन लागत	माह	1	500	500
7	अन्य (लेखा सामग्री, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत इत्यादि)	माह	1	1000	1000
	आवर्ती लागत				54,500
कुल आवर्ती लागत = **(आवर्ती लागत- श्रम लागत) कार्य/श्रम के रूप में एसएचजी सदस्यों द्वारा किया जाएगा।**					**47,000**

सी.	उत्पादन की लागत (मासिक)	
क्रम संख्या	विवरण	राशि (रु)
1	कुल आवर्ती लागत	47,000
2	वार्षिक पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%	500
	कुल	**47,500**

डी.	बिक्री मूल्य गणना (प्रति चक्र)				
क्रम संख्या	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु)	
1	उत्पादन की लागत	किलो	1	190	यह उत्पादन की मात्रा के रूप में घट जाएगी
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलो	1	300	
3	एसएचजी द्वारा अपेक्षित बिक्री मूल्य	रु	1	260	

2. आय और व्यय का विश्लेषण :

क्रम संख्या	विवरण	राशि (रु)
1	10% वार्षिक पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास	500
2	कुल आवर्ती लागत	47,000
3	प्रति माह कुल उत्पादन (किलो)	250 किग्रा (मात्रा)
4	बिक्री मूल्य (प्रति किलोग्राम)	260
5	आय सृजन (250*260)	65,000
6	शुद्ध लाभ (65,000 - 47,500)	17,500
7	शुद्ध लाभ	• लाभ का वितरण मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। • लाभ का उपयोग अगले निवेश के लिए किया जाएगा

फंड की आवश्यकता

क्रम संख्या	विवरण	कुल राशि (रु)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	63,000	47, 250	15,750
2	कुल आवर्ती लागत	47,000	0	47,000
3	प्रशिक्षण/क्षमता वर्धन / कौशल उन्नयन	50,000	50,000	0
	कुल	**1,60,000**	**97,250**	**62,750**

नोट -

- **पूंजीगत लागत** – 75 %पूंजीगत लागत परियोजना के द्वारा वहन किया जाएगा (75% अनुसूचित जाती तथा महिलाओं के लिए)
- **आवर्ती लागत** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना है।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाना है।

निधि के स्रोत:

परियोजना सहायता;	● पूंजीगत लागत का 75% मशीनरी इत्यादि की खरीद के लिए इस्तेमाल किया जाएगा (75% अनुसूचित जाती तथा महिलाओं के लिए) ● 1 लाख रुपये रिवॉल्विंग के रूप में एसएचजी बैंक खाते में जमा किए जाएंगे। ● प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन की लागत।	सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	● पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा (25% अनुसूचित जाती तथा महिलाओं के लिए) इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। ● आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की प्रभावी खरीद लागत
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

3. **ब्रेक-ईवन प्वाइंट की गणना**

= पूंजीगत व्यय/बिक्री मूल्य (प्रति किलो) - उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)
= 60000/(260-190)
= 857 किग्रा
इस प्रक्रिया में 857 किग्रा बड़ी बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त होगा। इसलिए 3-4 महीने में ब्रेक ईवन हासिल कर लिया जाएगा।

4. **आय के अन्य स्रोत:**
ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से होने वाली आय।

5. **बैंक ऋण चुकौती -** यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।
    - सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
    - अवधि ऋणों में चुकौती , बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

6. **निगरानी पद्धति -** प्रारंभिक चरण में लाभार्थियों का आधार रेखा सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा। निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:
    - समूह का आकार
    - फंड प्रबंधन
    - निवेश
    - आय सृजन
    - उत्पादन स्तर
    - उत्पाद की गुणवत्ता
    - बेची गई मात्रा
    - बाजार पहुंच

व्यवसाय योजना
आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन
द्वारा
माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

अचार बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में गलगल, आंवला आदि का अचार और आंबला का चूर्ण बनाया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय मे की जाएगी। अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं. उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह गलगल और आंवला के अचार का निर्माण करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह गलगल, आंवला आदि का अचार बनाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय में की जाएगी।
- अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं।
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फलों के लिए प्रति माह 100 किलो अचार का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पादन प्रक्रिया का उपयोग होता है ।

उत्पादन योजना का विवरण

गलगल के अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	7 दिन

आंवला अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)		7 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय सामग्री
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
गलगल के अचार के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)	::	50 किलो गलगल के अचार के लिए 40 किलो गलगल और 10 किलो मसाला चाहिए
आंवला के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)		50 किलो आंवला अचार के लिए 35 किलो आंवला और 15 किलो मसाला चाहिए
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	50 किलो प्रत्येक

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति किलो (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन मासिक (किग्रा)
1	गलगल	किलोग्राम	महीने के	100	20	2000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	
1	आंवला	किलोग्राम	महीने के	100	30	3000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	

मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	सुंदरनगर- 37, मंडी- 45 किमी, बल्द्वाडा - 5 किमी
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	स्वयं सहायता समूह सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	" माँ दुर्गा गलगल का अचार और चटनी"

माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह के सदस्य

स्वोट विश्लेषण

ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा ।

मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक व्यापारी, कैंटीन रेस्तरां और रसोइया गृहिणियों में उच्च मांग बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग ।

खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव ।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी ।
- प्रतिस्पर्धी बाजार ।
-

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समुह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	पूंजी लागत			
अनु क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	मिक्सर	2	4000	8,000
2	सब्जी निर्जलीकरण	1	40000	40,000
3	तोल मशीन	1	2000	2,000
4	रसोईघर के उपकरण		लगभग	3000
5	हाथ से संचालित जार सीलिंग मशीन	1	15000	15000
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**68,000**
बी।	**आवर्ती लागत**			

अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	गलगल	किग्रा/माह	100	20	2000
2	कच्चा माल (मसाला)	किग्रा/माह	50	150	7500
3	आंवला	किग्रा/माह	100	30	3000
4	पैकेजिंग सामग्री	महीना	लगभग	5000	5000
5	परिवहन	महीना	1	1000	1000
6	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000
7	आचार के दो क्विंटल उत्पादन के लिए दो घंटे / दिन। 03 दिन के लिए पांच महिलाओं के कुल 30 घंटे जोकि 8 घंटे के हिसाब से श्रम लागत 04 दिन@ 300/- /दिन	दिन	04	300	1200
	आवर्ती लागत				**20700**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	20700
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	6800
कुल	**27500**

गलगल के अचार का विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	किलोग्राम	82.8
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	200

आंवला अचार के लिए बिक्री मूल्य गणना (प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	किलोग्राम	143
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	200-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	240

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	6800
कुल आवर्ती लागत	20700
प्रति माह कुल उत्पादन गलगल का अचार (किलोग्राम)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
आय सृजन (200*125)	25000
प्रति माह कुल उत्पादन आंवला अचार (किलो)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	240
आय सृजन (240*125)	30000
शुद्ध लाभ (55000-20700)	34300
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।
	लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
	IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	68000	51000	17000
कुल आवर्ती लागत	20700	0	20700
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50,000	50,000	0
कुल	**138700**	**101000**	**37700**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

• परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	• संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
• स्वयं सहायता समुह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	•

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)

= 100000/ (200-82.80)

= 854 किलो

इस प्रक्रिया में 854 किलो आचार बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा ।

आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की गलगल, आवला, दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 63,000/-

आवर्ती लागत = 47000/-

बड़ी बनाने के लिए कुल =1,10,000/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 68,000/-

आवर्ती लागत = 20700/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना के लिए कुल = 88700/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 1,98,700/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थी अंशदान**	**कुल लागत**
1.	बड़ी बनाना	63,000/-	47,000	47,250/-	62,750/-	1,10,000/-
2.	आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन	68,000/-	20,700/-	51,000/-	37,700/-	88,700/-
	कुल	**1,31,000/-**	**67,700/-**	**98,250/-**	**1,00,450/-**	**1,98,700/-**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (बड़ी एवं अचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	नीतू देवी	सदस्य	Gen	46	Nitu Devi
2.	सपना शर्मा	सचिव	Gen	34	Sapna Sharma
3.	सुमन कुमारी	प्रधान	Gen	45	Suman Kumari
4.	अनिता देवी	सदस्य	Gen	70	अनिता देवी
5.	निशा कुमारी	सदस्य	Gen	48	Nisha Kum
6.	मंजू कुमारी	सदस्य	Gen	46	Manju Kumari
7.	अनिता शर्मा	सदस्य	Gen	40	[illegible]
8.	मीरा देवी	सदस्य	Gen	56	मीरा देवी
9.	कमला देवी	सदस्य	Gen	73	Kamla Devi
10.	तनु शर्मा	सदस्य	Gen	34	[illegible]
11.					
12.					

Sapna Sharma
हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह

Suman Kumari
हस्ताक्षर
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति

Treasurer
Baldwara Nuna Mata V F D S
Jica Project (HPFEMDP)

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति

Treasurer
Baldwara Nuna Mata V F D S
Jica Project (HPFEMDP M&L)

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

Range Forest Officer,
Baldwara Range
BALDWARA (H. P.)

हीमसय द्वारा स्वीकृत

Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sunder Nagar (H.P.)